



Sun - 23 Aug - 2026

Year - 01

Issue - 149

Page - 01

Rs. - 5

www.azadvaani.com

26 अगस्त को बठिंडा में
एनआरआई मिलनी, सात जिलों
के प्रवासी पंजाबी होंगे शामिल



चंडीगढ़, 23 अगस्त 2026: पंजाब सरकार प्रवासी पंजाबियों की समस्याओं और शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए एनआरआई मिलनियों का आयोजन कर रही है। एनआरआई मामलों के मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने बताया कि अगली मिलनी 26 अगस्त 2026 को बठिंडा में आयोजित होगी, जिसमें सात जिलों से संबंधित प्रवासी पंजाबी शामिल हो सकेंगे।

मिलनी का आयोजन सुबह 11 बजे होटल सेपल, जी.टी. रोड, निकट तिकोनी, बठिंडा में होगा। इसमें बठिंडा, मोगा, फिरोजपुर, फरीदकोट, फाजिल्का, श्री मुक्तसर साहिब और मानसा जिलों से संबंधित एनआरआई अपनी शिकायतें, समस्याएं और सुझाव सीधे वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे। डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार का उद्देश्य प्रवासी पंजाबियों की समस्याओं की मौके पर सुनवाई कर संबंधित विभागों के समन्वय से उनके समाधान को सुनिश्चित करना है।

पंजाब में 7 लाख से अधिक
विधवा व निराश्रित महिलाओं को
मिल रहा वित्तीय सहायता



चंडीगढ़, 23 अगस्त 2026: पंजाब सरकार विधवा एवं निराश्रित महिला वित्तीय सहायता योजना के माध्यम से राज्य की 7 लाख से अधिक जरूरतमंद महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। सामाजिक सुरक्षा, स्त्री एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि सरकार का लक्ष्य हर पात्र महिला को सम्मानजनक जीवन के लिए वित्तीय सुरक्षा उपलब्ध करवाना है।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में जुलाई तक योजना के तहत 518.81 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। वहीं, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए योजना के प्रभावी संचालन हेतु 1,200.97 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। योजना के तहत प्रत्येक पात्र विधवा और निराश्रित महिला को 1,500 रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता दी जा रही है।

चंडीगढ़ का सेक्टर-40 मार्केट बनेगा शहर का पहला पूरी तरह हरित बाजार



चंडीगढ़, 23 अगस्त 2026: चंडीगढ़ के सेक्टर-40 मार्केट को शहर के पहले पूरी तरह हरित बाजार के रूप में विकसित करने की दिशा में नगर निगम ने पहल शुरू कर दी है। इसके तहत बाजार क्षेत्र में बड़े स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा और खाली व अनुपयोगी स्थानों को हरे-भरे लैंडस्केप क्षेत्रों में बदला जाएगा।

इस अभियान के तहत करीब 2,500 पौधे लगाए जाने की योजना है। नगर निगम का उद्देश्य बाजार के आसपास हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ खाली पड़ी जगहों का बेहतर उपयोग करना है। इससे बाजार का सौंदर्योत्कर्षण होने के साथ स्थानीय निवासियों, दुकानदारों और यहां आने वाले लोगों को अधिक स्वच्छ और सुखद वातावरण मिल सकेगा।

नगर निगम की इस पहल को चंडीगढ़ की हरित पहचान को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। व्यस्त बाजारों में रोजाना बड़ी संख्या में लोगों और वाहनों की आवाजाही रहती है। ऐसे क्षेत्रों में अधिक पेड़-पौधे और व्यवस्थित हरित क्षेत्र वातावरण को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सकते हैं।

अधिकारियों के अनुसार, केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी होगी। पौधों को समय पर पानी देने, उनकी सुरक्षा करने और लंबे समय तक रखरखाव की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि पौधारोपण अभियान का स्थायी लाभ मिल सके।

बाजार के खाली स्थानों को लैंडस्केप क्षेत्रों में विकसित करने से क्षेत्र की सुंदरता भी बढ़ने की उम्मीद है। बेहतर तरीके से विकसित हरित स्थान बाजार में आने वाले लोगों के लिए अधिक आरामदायक माहौल तैयार कर सकते हैं और सार्वजनिक स्थानों की गुणवत्ता में सुधार ला सकते हैं।

यह पहल ऐसे समय में की जा रही है जब शहरों में बढ़ती व्यावसायिक गतिविधियों के बीच हरित क्षेत्रों को सुरक्षित और बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। सेक्टर-40 मार्केट का यह प्रोजेक्ट अन्य बाजारों के लिए भी उदाहरण बन सकता है। सफल होने पर इसी तरह के पौधारोपण और लैंडस्केपिंग अभियान चंडीगढ़ के अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में भी लागू किए जा सकते हैं।

नगर निगम की योजना से सेक्टर-40 मार्केट को एक ऐसे आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल बाजार के रूप में विकसित करने की उम्मीद है, जहां व्यापारिक गतिविधियों के साथ-साथ हरियाली और बेहतर सार्वजनिक वातावरण को भी प्राथमिकता मिले।

इस परियोजना के तहत बाजार परिसर में हरित पट्टियों, छोटे लैंडस्केप जोन और पौधों से सुसज्जित खाली स्थान विकसित किए जाने पर जोर दिया जा रहा है। इससे बाजार की मौजूदा संरचना को बदले बिना सार्वजनिक स्थानों को अधिक आकर्षक और पर्यावरण के अनुकूल बनाने में मदद मिलेगी।

नगर निगम की पहल का एक महत्वपूर्ण पहलू खाली पड़ी जमीन का उपयोग करना है। जिन स्थानों का फिलहाल किसी उपयोग में नहीं आ रहा है, उन्हें योजनाबद्ध तरीके से हरित क्षेत्रों में परिवर्तित किया जाएगा। इससे बाजार में अनियोजित या उपेक्षित स्थानों की समस्या भी कम होने की उम्मीद है। पौधारोपण के साथ-साथ बाजार की स्वच्छता और रखरखाव पर भी ध्यान देने की जरूरत होगी।

अमृतसर में हथियार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, 10 अत्याधुनिक पिस्तौल बरामद

चंडीगढ़/अमृतसर, 23 अगस्त 2026: पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस (सी.आई.) अमृतसर ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को 10 अत्याधुनिक पिस्तौलों, मैगजीनों और 10 जिंदा कारतूसों सहित गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत पंजाब को सुरक्षित बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान की गई।

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुरप्रीत सिंह पुत्र इकबाल सिंह और गुरप्रीत सिंह पुत्र गुलजार सिंह, दोनों निवासी गांव हवेलियां, तरनतारन, के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नौ 9-एमएम पिस्तौल और एक .30 बोर पिस्तौल बरामद की है। इसके अलावा हथियारों की ढुलाई के लिए इस्तेमाल की जा रही ग्रे रंग की बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल (पीबी-38-सी-1658) भी जब्त की गई है।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, दोनों आरोपी विदेश स्थित एक हैंडलर के संपर्क में थे और कथित तौर पर भारत-पाकिस्तान सीमा के पार से ड्रोन के माध्यम से हथियारों की खेप प्राप्त कर रहे थे। इसके बाद इन हथियारों को

पंजाब में अन्य लोगों तक पहुंचाया जाना था।

पुलिस को सूचना मिली थी कि दोनों आरोपियों ने गांव हवेलियां के पास सीमा बाड़ के निकट ड्रोन के जरिए हथियारों की खेप हासिल की है और उसे आगे पहुंचाने की तैयारी में हैं। सूचना के आधार पर सी.आई. अमृतसर की टीमों ने अमृतसर-अटारी जी.टी. रोड पर गांव खासा के नजदीक कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को हथियारों सहित गिरफ्तार कर लिया।

डीजीपी ने कहा कि पुलिस अब इस नेटवर्क के आगे-



पीछे के संबंधों का पता लगाने में जुटी है, ताकि सीमा पार से संचालित हथियार तस्करी के व्यापक नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उन्हें कानून के दायरे में लाया जा सके।

इस संबंध में थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, अमृतसर में एफआईआर संख्या 51, दिनांक 22 अगस्त 2026 दर्ज की गई है। मामला शस्त्र अधिनियम की धाराओं 25, 25(1)(ए), 25(8) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 61(2) के तहत दर्ज किया गया है।

*पुलिस के अनुसार, बरामद हथियारों की संख्या और उनकी प्रकृति को देखते हुए यह मामला केवल स्थानीय स्तर पर हथियार रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक संगठित तस्करी नेटवर्क होने की आशंका है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि हथियारों की खेप किस माध्यम से सीमा पार से पंजाब तक पहुंचाई गई और इन्हें आगे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। जांच के दौरान पुलिस आरोपियों के संपर्क में रहे संदिग्ध व्यक्तियों, विदेश स्थित हैंडलर और हथियारों की सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

पंजाब में 36,792 परिवारों को
पक्के मकानों की सौगात, 17,000
घरों का निर्माण पूरा



चंडीगढ़, 23 अगस्त 2026: पंजाब सरकार आर्थिक रूप से कमजोर और कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक आवास उपलब्ध करवाने के लिए आवास योजनाओं को तेजी से लागू कर रही है। ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौद ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र परिवार संसाधनों की कमी के कारण पक्के मकान के लाभ से वंचित न रहे।

मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) के तहत वर्ष 2024-25 से अब तक पंजाब में 36,792 घरों को वित्तीय सहायता के लिए मंजूरी दी गई है। इनमें से 17,000 मकानों का निर्माण पूरा हो चुका है। इन घरों के निर्माण के लिए 478.45 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जबकि शेष 19,792 मकानों का निर्माण कार्य तेजी से जारी है।

तरुनप्रीत सिंह सौद ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी कई परिवार उचित आवास सुविधाओं से वंचित हैं। सरकार का प्रयास केवल पक्की छत उपलब्ध करवाना नहीं, बल्कि परिवारों को सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक रहने का वातावरण देना है। उन्होंने कहा कि आवासीय योजनाओं के प्रभाव से जरूरतमंद परिवारों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

मंत्री ने बताया कि बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए 360 करोड़ रुपये का विशेष आवास पैकेज भी मंजूर किया गया है। इसके तहत क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए 30,000 घरों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। अब तक 28,020 मकानों को मंजूरी दी जा चुकी है और पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में पहली तथा दूसरी किस्त की वित्तीय सहायता सीधे हस्तांतरित की जा चुकी है।

सरकार के अनुसार, इन योजनाओं का उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं और आर्थिक कठिनाइयों से प्रभावित परिवारों को दोबारा सुरक्षित आवास उपलब्ध करवाना है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से सहायता राशि लाभार्थियों तक पहुंचाई जा रही है, जिससे योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखने पर भी जोर दिया जा रहा है।

TruSoft

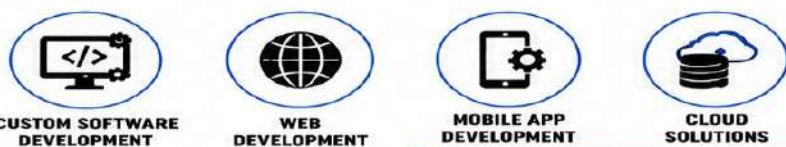
GST ACCOUNTING SOFTWARE WITH INVENTORY CONTROLS

ERP

Software that touches every part of your business.

SOFTWARE & WEB DEVELOPMENT

"Design is not just what it looks like and feels like. Design is how it works."



Software for Manufacturers, Traders, Dealers/Distributors

ALSO FOR:

- Clinical Labs
- Schools
- Drycleaners
- Transportation
- Pharmaceuticals
- Library
- Non Banking/Finance
- Weighing Scales
- Institutes
- Readymade Garments
- Dairies
- Cold Storage
- Hotels, Restaurants
- Apparels, Footwear
- Shuttering
- Sabzi Mandi

www.trusofterp.com

support@trusofterp.com

Smart Solutions. Stronger Businesses

Advertisement



- ACCURATE ACCOUNTING
- INVENTORY CONTROLS
- GST COMPLIANCE
- SIMPLE & SECURE
- RELIABLE SUPPORT

CALL US TODAY!

+91-9041012531

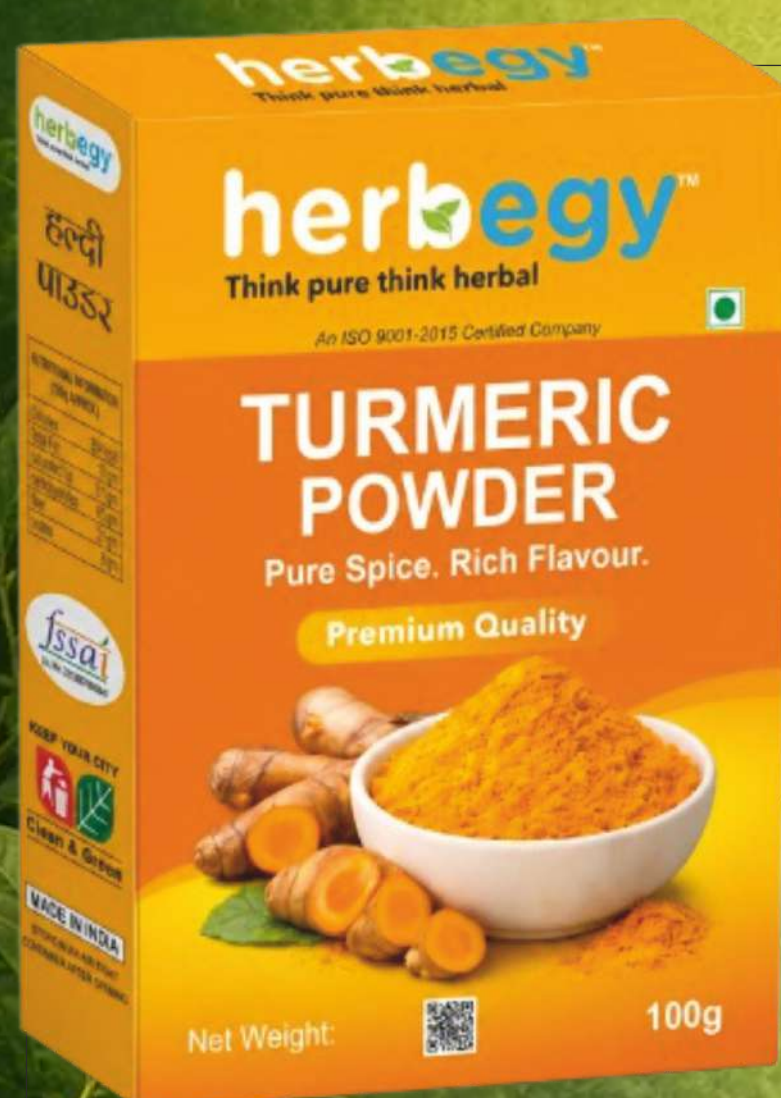


herbegy™

Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.



PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

727-515-0015